नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 06-08-2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ के बी0एड्0 विभाग में अधिगम के सिद्धान्त विषय पर व्याख्यान देते हुए मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ0 प्रज्ञेश मिश्र ने कहा कि अधिगम एक निरन्तर चलने वाली सार्वभौमिक प्रक्रिया है। व्यक्ति जन्म से सीखना प्रारम्भ कर देता है तथा मृत्युपर्यन्त तक कुछ न कुछ सीखता रहता है। वास्तव में सीखना मानव जीवन की सफलता की कुंजी है। सीखने के फलस्वरूप ही व्यक्ति अपने व्यवहार का परिष्कार करता है सीखने की प्रक्रिया कैसे सम्पन्न होती है? हम कैसे सीखते हैं? एक बालक गणित के प्रश्नों को हल करना कैसे सीखता है? एक लड़की खाना बनाना और कपड़े सीना कैसे सीख जाती है? इस प्रकार के अनेक प्रश्न हैं जिनके उत्तर के लिए सीखने की प्रक्रिया का गम्भीर अध्ययन आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों ने इस दिशा में बहुत प्रयत्न किये हैं और परिणामस्वरूप सीखने सम्बन्धी कुछ सिद्धान्तों को जन्म दिया है। आपने सीखने के तीनों सिद्धान्तों की व्यवहारवादी सिद्धान्त, संज्ञानात्मक तथा सिद्धान्त, रचनावादी सिद्धान्त, की विस्तृत चर्चा की और साथ ही साथ सीखने के सिद्धान्तों का कक्षा में पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस व्याख्यान में बी0एड0 प्रथम वर्ष के 55 विद्यार्थी एवं बी0एड0 द्वितीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों ने सहभाग किया। बी0एड0 प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका हर्षा गुप्ता ने प्रश्न किया कि अधिगम का बन्धन सिद्धान्त किस पर विश्वास करता है बी0एड्0 प्रथम वर्ष के ही एक छात्राध्याक अनित कुमार पटेल ने प्रश्न किया कि अधिगम के स्थानान्तरण के लिए उत्तरदायी कारक कौन–कौन से होते हैं। बी0एड्0 द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक सुनील ने अधिगम में विलोपीकरण के विषय में प्रश्न किया कार्यक्रम का संचालन बी0एड्0 प्रवक्ता श्रीमती साधना सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन बी0एड0 विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता, सुश्री श्वेता चौबे, सुश्री रचना सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री नवनीत सिंह एवं श्री जितेन्द्र प्रजापति आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

(श्री वागीश राज पाण्डेय)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी